>

Title: Situation arising due to spread of swine flu in Delhi and other parts of the country.

जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि आपने मुझे देश के सामने उठे इस ज्वलंत मुद्दे पर बोलने का मौका दिया। यह विषय लोक महत्व का, तात्कालिक और अविलम्बनीय भी है। ऐसे लोक महत्व के विषय पर आपने मुझे बोलने की अनुमति दी, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। देश की राजधानी दिल्ली हो, उत्तर प्रदेश हो, पंजाब हो, बिहार हो, मध्य प्रदेश हो, देश के सभी राज्यों में स्वाइन फ्लू का प्रभाव बढ़ा है। यह मेरी रिपोर्ट नहीं है। केवल दिल्ली में स्वाइन फ्लू के 794 मरीज़ यहाँ के अस्पतालों में एडमिट हो चुके हैं और 23 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली सरकार के नोडल अफसर डॉ. चरण सिंह हैं, उनके अनुसार सोमवार को 35 स्वाइन फ्लू के केसेज हॉस्पीटल में एडमिट हुए, जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी। पिछले दिनों फरवरी में जो लगातार बारिश हुई, उसके कारण भी स्वाइन फ्लू का प्रभाव बढ़ा। उत्तर भारत के चार प्रमुख राज्य- दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान, इनमें स्वाइन फ्लू एक तरह से जानलेवा बन रही है। ...(व्यवधान) हमने उत्तर प्रदेश का भी नाम लिया है। यह सवाल किसी दल से संबंधित नहीं है। इस पर पूरे सदन को चिंता है, चाहे इधर बैठे हों या उधर बैठे हों। इस गंभीर विषय पर पूरे सदन को चिंता है और एक महीने के दौरान स्वाइन फ्लू के बारे में जो रिपोर्ट है, उसके अनुसार इस बीमारी से 118 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी विगत् दिनों में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बड़ी संख्या में, सहारनपुर और मेरठ के मेडिकल कालेजों में स्वाइन फ्लू के केसेज आ रहे हैं। इस पर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया और स्टेट गवर्नमेंट का एक इंटिग्रेटेड एफर्ट होना चाहिए। स्वाइन फ्लू एक संक्रामक बीमारी है, जिसके कारण इलाज से पहले मौत हो जा रही है। इसके कारण लगातार मौत होती जा रही है। राजस्थान में 64 लोग स्वाइन फ्लू से मर चुके हैं। इसकी संख्या सबसे ज्यादा राजस्थान में है।

मान्यवर, यह बीमारी महामारी का रूप ले रहा है। स्वाइन फ्लू एच1एन1 नामक वायरस के प्रकोप से फैलता है। जयपुर में भी तीन मामले पाजिटिव पाये गये हैं। राजस्थान में 1 अप्रैल, 2012 से अब तक स्वाइन फ्लू के 700 पाजिटिव केसेज पाये गये हैं। उसमें 125 लोगों के मौत की पुष्टि हो चुकी है। इसी तरीके से दूसरे राज्यों के आंकड़े भी हैं। यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर से लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश तक फैला है। अभी पिछले दिनों मैं खुद लखनऊ में था। जिस तरह से लखनऊ में स्वाइन फ्लू का प्रभाव है, अगर इस पर समय रहते कोई कदम नहीं उठाया गया, तो निश्चित रूप से स्थिति गंभीर हो जाएगी। जैसे गुडगांव, फरीदाबाद, कुरुक्षेत्र, करनाल के अस्पतालों में इसके मरीज इलाज करा रहे हैं। केवल करनाल-कुरुक्षेत्र में 91 मरीज इलाज करा रहे हैं। मेरे पास हर राज्य के बारे में जानकारी है। पंजाब के मालवा क्षेत्र में स्वाइन फ्लू के बारे में स्वास्थ्य विभाग के डॉ. दीपक भाटिया ने बताया है कि वहां स्वाइन फ्लू के 12 पाजिटिव केसेज पाए गये हैं। उनको पी.जी.आई., चंडीगढ़ भेजा गया है। भटिंडा में भी एक मौत हो चुकी है। इसी तरह से आपने देखा कि राम मनोहर लोहिया अस्पताल में एक डाक्टर को यह बीमारी हो गयी और वहां पर स्वाइन फ्लू से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। आज सैकड़ों की संख्या में लोगों की स्वाइन फ्लू से मौत हो रही है। यह बीमारी किसी एक इलाके तक सीमित नहीं रह गयी है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा या अन्य तमाम राज्यों में पैर पसार रही है, मैं चाहता हूं कि आप इस बात के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दें। इस बीमारी से लोगों में एक असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। उसके प्रिवेंशन के उपायों और ट्रीटमेंट की बात है। आज इस समय यह देश में सबसे गंभीर मामला है। वर्ष 2009 से अब तक 53943 केसेज स्वाइन फ्लू के मामले रिपोर्ट हुए हैं, जिनमें से 3315 लोगों की डेथ हो चुकी है। स्वाइन फ्लू के इतने गंभीर मामले हैं, जिस बीमारी से 3315 लोगों की डेथ हो गयी है, अब इस वायरस के संदर्भ में, जो पूरे देश में फैल रहा है, जो एक एपिडमिक बन गया है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Please conclude. You have taken five minutes. You are a senior member. You have to cooperate.

श्री जगदम्बिका पाल : महोदय, मैं वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट बता रहा हूं जो वर्ष 2010 की है। इस H1N1 वायरस के लिए कार्रवाई करनी होगी। महोदय, मैं चाहता हूं कि इस पर सरकार की तरफ से कोई रिस्पांस आए।

MR. CHAIRMAN: Shri Rajendra Agrawal and Shri Virendra Kumar are allowed to associate with the matter raised by Shri Jagdambika Pal.